प्रश्न–पत्र की योजना

कक्षा – XII
विषय – हिन्दी साहित्य
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	16	20%
2.	अवबोध	33	41.25%
3.	अभिव्यक्ति / ज्ञानोपयोग	23	28.75%
4.	मौलिकता / कौशल	08	10%
	योगः–	80	100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	12 + 6	1	18 (22.50%)	28
2.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	12 (15%)	26
3.	लघूत्तरात्मक	12	2	24 (30%)	54
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	03	3, 3, 4	10 (12.50%)	39
5.	निबंधात्मक	03	5, 5, 6	16 (20%)	48
	योग	48		80 (100%)	195

विकल्प योजना : आन्तरिक

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	अपठित गद्यांश व अपठित पद्यांश	12	15%
2	रचना – निबन्ध	06	07.5%
3	अभिव्यक्ति एवं माध्यम	10	12.50%
4	काव्यांग परिचय	08	10%
5	पाठ्यपुस्तक – अंतरा भाग–2 गद्य	16	20%
6	पाठ्यपुस्तक – अंतरा भाग–2 पद्य	16	20%
7	पाठ्यपुस्तक – अंतराल–2	12	15%
	कुल योग :–	80	100%

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 12 विषय :– हिन्दी साहित्य पूर्णांक – 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघु उत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	
1	अपठित गद्यांश व अपठित पद्यांश	**2(2)**	-	-	-	-	**10(10)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**12(12)**
2	रचना – निबन्ध	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**2(1)**	-	-	-	-	**2(-)**	-	-	-	-	**2(-)**	**06(1)**
3	अभिव्यक्ति एवं माध्यम	-	**3(3)**	**1(1)**	-	-	-	**2(2)**	**1(1)**	-	-	-	**1(1)**	**2(-)**	-	-	-	-	-	-	-	**10(8)**
4	काव्यांग परिचय	**2(2)**	**1(1)**	-	-	-	**(4)4**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**1(1)**	-	-	-	**8(8)**
5	पाठ्यपुस्तक – अंतरा भाग–2 गद्य	-	**1(1)**	**1(1)**	-	**1(-)**	-	**1(1)**	**1(2)**	**1(1)**	**2(1)**	-	-	**4(-)**	**1(-)**	**1(-)**	-	-	-	**1(-)**	**1(-)**	**16(7)**
6	पाठ्यपुस्तक – अंतरा भाग–2 पद्य	-	**1(1)**	**1(1)**	-	**1(-)**	-	**1(1)**	**1(2)**	**1(1)**	**2(1)**	-	-	**4(-)**	**1(-)**	**1(-)**	-	-	-	**1(-)**	**1(-)**	**16(7)**
7	पाठ्यपुस्तक – अंतराल–2	-		**1(1)**	-		-	-	**2(2)**	**2(1)**	-	-	-	**5(1)**	**1(-)**	-	-	-	-	**1(-)**	-	**12(5)**
	योग :–	**4(4)**	**6(6)**	**4(4)**	-	**2(-)**	**14(14)**	**4(4)**	**5(7)**	**4(3)**	**6(3)**	-	-	**15(1)**	**3(-)**	**4(-)**	-	**1(1)**	-	**3(-)**	**4(-)**	**80(48)**
	कुल योग :–	**16(14)**					**33(31)**					**23(2)**					**8(1)**					**80(48)**

विकल्पों की योजना **(i) (ii)** :– प्र.सं. 16 से 21 एवं प्र.स. 8 एवं प्र.स. 11 में एकान्तिक आंतरिक विकल्प है।

निर्देश :– प्रश्न पत्र में मूल प्रश्न 21 हैं, जो प्रकारान्तर से कुल 48 हैं। नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

नमूना प्रश्न-पत्र—2023

विषय-हिन्दी साहित्य

कक्षा-12

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :-

GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।

   Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

   All the questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

   Write the answer to each question in the given answer book only.

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

   For questions having more than one part the answers to those parts are to be written together in continuity.

खण्ड – (अ)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए— **6 × 1 = 6**

भारत की एक मूल शक्ति या सामर्थ्य उसकी प्राकृतिक साधन-रूपी बुनियाद है। यद्यपि भारत के पास सब मूल्यवान धातुओं और कच्ची धातुओं का एक-सी गुणवत्ता वाला भण्डार नहीं है, तो भी उनमें से धातुएँ और कच्ची धातुएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। जैसे-जैसे हम अपने भू-साधनों का अधिकाधिक उपयोग करना आरम्भ करेंगे, वैसे-वैसे वे भविष्य के लिए हमारी शक्तियाँ बन जाएँगे। अपने समुद्रों के तल में छिपे साधनों की खोज अभी होनी शेष हैं। इन सबके अतिरिक्त, हमारे पास जीवित साधनों का भी उत्तम आधार है। हमारा जैव-वैविध्य बहुत समृद्ध है और प्रचुर धूप, वैविध्यपूर्ण कृषि-योग्य जलवायु, एक सम्पूर्ण-विश्व, जिसमें ध्रुव देश जैसी ठण्ड, उष्णकटिबन्ध मण्डल की हरियाली, रेगिस्तानी इलाका और काफी वर्षा सभी कुछ है, हालाँकि हम उसका पूरा उपयोग नहीं करते। इसके लिए एक उदाहरण पर्याप्त होगा। सारे भारत में होने वाली वार्षिक वर्षा की मात्रा को यदि बराबर-बराबर सारे देश में छितरा दिया जाए, तो पानी एक मीटर की गहराई तक दिखाई देगा। काश! हम इस प्राकृतिक उपहार को काम में ला सकते! भारत की प्रौद्योगिकीय परिकल्पना उसके प्राकृतिक साधन, उसके मानव-संसाधन और राष्ट्र की मूल सामर्थ्य के आधार पर ही प्रतिष्ठित है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का समुचित शीर्षक हो सकता है— **1**

(अ) भारत के संसाधन (ब) भारतीय सम्पन्नता

(स) भारतीय औद्योगिक विकास (द) भारत का भावी औद्योगिक विकास।

(ii) भारत की मूल शक्ति क्या है? **1**

(अ) अनाज (ब) सैन्य शक्ति (स) संगठनात्मक शक्ति (द) खनिज पदार्थ

(iii) भारत की औद्योगिक परिकल्पना का आधार क्या है? **1**

(अ) प्राकृतिक संसाधन (ब) नागरिकों का अदम्य उत्साह

(स) कर्मठ जनसंख्या (द) अथाह धन-सम्पत्ति।

(iv) हमारे पास क्या-क्या हैं? **1**

(अ) विविध प्रकार के जीव (ब) कृषि योग्य जलवायु व अच्छी वर्षा

(स) उष्ण कटिबन्धीय हरियाली (द) उपर्युक्त सभी कुछ।

(v) 'संसाधन' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग बताइए— **1**

(अ) सन् (ब) सन (स) सम् (द) सम।

(vi) भारत का जैव-वैविध्य कैसा है? **1**

(अ) बहुत समृद्ध (ब) नगण्य (स) बहुत कम (द) अपर्याप्त।

● **निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए—** **6 × 1 = 6**

सामने कुहरा घना है
और मैं सूरज नहीं हूँ
क्या इसी अहसास में जिऊँ
या जैसा भी हूँ नन्हा-सा
इक दीया तो हूँ
क्यों न उसी की उजास में जिऊँ?
हर आने वाला क्षण
कम-से-कम मैं उनमें तो नहीं
जो चाँद दिल के बुझाए बैठे हैं
हर रात को अमावस बनाए बैठे हैं
मुझे यही कहता है—
अरे भई, तुम सूरज तो नहीं हो
और मैं कहता हूँ—
न सही सूरज
एक नन्हा दीया तो हूँ
जितनी भी है लौ मुझ में
उसे लेकर जिया तो हूँ।
उड़ते फिर रहे थे जो जुगनू आँगन में
उन्हें भी मुट्ठियों में दबाए बैठे हैं।

(i) 'सामने कुहरा घना है' रेखांकित शब्द से तात्पर्य है— **1**

(अ) धुंध (ब) अन्धेरा (स) अंधकार (द) हताशा-निराशा।

(ii) काव्यांश में छिपे सन्देश को स्पष्ट कीजिए— **1**

(अ) दीपक की सूरज को चुनौती (ब) दीपक का जलना

(स) प्रकाश फैलाना (द) शक्ति भर जीवन जीने का।

(iii) दीपक और अमावस यहाँ प्रतीक हैं— **1**

(अ)दीये और अमावस्या के (ब)अँधेरे और प्रकाश के

(स) वस्तु और तिथि के (द) आशा और गहन निराशा के।

(iv) 'हर रात अमावस बनाए बैठे हैं', रेखांकित शब्द तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रूप होगा— **1**

(अ)मावस (ब)अमावस्या (स) पूर्णिमा (द) गहन अँधेरी रात।

(v) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक निम्न विकल्पों से चुनिए— **1**

(अ)घना कुहरा (ब) सर्व शक्ति सम्पन्नता

(स) निराशा (द) दीपक की जिजीविषा।

(vi) पूर्णिमा का विपरीतार्थक शब्द है— **1**

(अ)चतुर्थी (ब)पूर्णता (स) अमावस (द) एकादशी।

प्रश्न 2. दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— 6 × 1 = 6

(i) .....गुण के कारण रचना में मधुरता उत्पन्न होती है। **1**

(ii) काव्य की रसानुभूति में बाधक तत्त्वों को..... कहा जाता है। **1**

(iii) छंद के किसी चरण में उसको पढ़ते समय जहाँ विराम की आवश्यकता होती है। उसको..... कहते हैं। **1**

(iv) कुण्डलियाँ छन्द के प्रत्येक चरण में.....मात्राएँ होती हैं। **1**

(v) जब कविता में उपमेय का उपमान से उत्कर्ष दिखाया जाता है, तो वहाँ.....अलंकार होता है। **1**

(vi) सुनत जुगल कर माल उठाई। प्रेस विवस पहिराइ न जाई॥ पंक्ति में.....अलंकार है। **1**

प्रश्न 3. निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द-सीमा 20 शब्द हैं। 12 × 1 = 12

(i) भजन कह्यौ तासों भज्यौ, भज्यौ न एकौ बार।
दूरिभजन जासों कह्यौ, सो तैं भज्यौ गँवार॥
इस दोहे में स्थित अलंकार को स्पष्ट कीजिए। **1**

(ii) विभावना अलंकार को स्पष्ट कीजिए। **1**

(iii) खेल बीट किसे सौंपी जानी चाहिए? **1**

(iv) विशेष रिपोर्ट की भाषा किस तरह की होनी चाहिए? **1**

(v) फीचर किसे कहते हैं? संक्षेप में लिखिए। **1**

(vi) मिर्जापुर में भारतेन्दु हरिशचन्द्र के परम मित्र कौन रहते थे? **1**

(vii) तीन गृह्यसूत्रों का नाम बताइये, जिसमें ढेलों की लॉटरी का जिक्र है? **1**

(viii) देवसेना कौन थी और वह किससे प्रेम करती थी? **1**

(ix) हृदय की वेदना को भूलने के लिए कवि निराला क्या करना चाहते हैं? **1**

(x) कविता हमें जीने की कला सिखाती है। स्पष्ट कीजिए। **1**

(xi) 'नाटक' विधा से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए। **1**

(xii) कहानी-लेखन के विभिन्न विषय लिखिए। **1**

खण्ड – (ब)

निर्देश :- प्रश्न सं. 04 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द-सीमा 40 शब्द हैं।

4. पत्रकारीय लेखन साहित्यिक लेखन से भिन्न होता है, स्पष्ट कीजिए। **2**

5. अच्छा लेख लिखते समय ध्यान रखने योग्य कोई चार शर्तें लिखिए। **2**

6. पसोवा की प्रसिद्धि का क्या कारण था और लेखक वहाँ क्यों जाना चाहता था? **2**

7. 'यह दीप अकेला स्नेह भरा' कविता के प्रतीकार्थ को लिखिए। **2**

8. 'जयशंकर प्रसाद' अथवा 'घनानंद' में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखिए। **2**

9. जलालगढ़ पहुँचने के बाद बड़ी बहुरिया के सामने हरगोबिन ने क्या संकल्प लिया? **2**

10. 'दिशा' शीर्षक कविता में कवि ने क्या सन्देश दिया है? **2**

11. 'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' अथवा 'हजारीप्रसाद द्विवेदी' में से किसी एक साहित्यकार का साहित्यिक परिचय लिखिए।

12. 'सच्चे खिलाड़ी कभी रोते नहीं, बाजी-पर-बाजी हारते हैं, चोट-पर-चोट खाते हैं। पर मैदान में डटे रहते हैं।' इस कथन के आधार पर सूरदास की मन:स्थिति में आए बदलाव को स्पष्ट कीजिए। **2**

13. रूपसिंह पहाड़ पर चढ़ना सीखने के बावजूद भूपसिंह के सामने बौना क्यों पड़ गया था? **2**

14. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने किन आधारों पर अपनी माँ की तुलना बत्तख से की है? कथन को स्पष्ट कीजिए। **2**

15. 'हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है।' क्यों और कैसे? 'अपना मालवा खाऊ-उजाडू सभ्यता में' पाठ के आधार पर लिखिए। **2**

खण्ड – (स)

16. 'यास्सेर अराफात का व्यक्तित्व सहजता, सरलता तथा सेवाभाव से ओतप्रोत था।' गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर-सीमा : 60 शब्द) **3**

अथवा

असगर वजाहत की 'शेर' लघुकथा के आलोक में प्रतिपादित कीजिए कि 'प्रमाण से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है विश्वास'। (उत्तर-सीमा : 60 शब्द) **3**

17. सत्य शायद जानना चाहता है कि उसके पीछे हम कितनी दूर तक भटक सकते हैं—पंक्तियों में कवि ने सत्य के सम्बन्ध में क्या कहा है? (उत्तर-सीमा : 60 शब्द) **3**

अथवा

'मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ' इन पंक्तियों के माध्यम से राम की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? (उत्तर-सीमा : 60 शब्द) **3**

18. ''रूप को मानो रस्सी की सीढ़ी मिल गई, जिससे उम्र के चौबीसवें शिखर से नीचे उतरने लगा वह.....'' यहाँ रस्सी की सीढ़ी का आशय क्या है? इसका प्रयोग रूप ने किस प्रकार किया? (उत्तर-सीमा : 80 शब्द) **4**

अथवा

'बिस्कोहर की माटी' आत्मकथांश में लेखक ने ग्रामीण प्राकृतिक सुषमा और सम्पदा का सुन्दर वर्णन किया है। पठित पाठ के आधार पर इसे अपने शब्दों में लिखिए। (उत्तर-सीमा : 80 शब्द) **4**

खण्ड – (द)

19. **निम्नलिखित पठित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—** **1+4=5**

लागेउ माँह परै अब पाला। बिरहा काल भएउ जड़काला॥
पहल-पहल तन रुई जो झाँपै। हहलि हहलि अधिकौ हिय काँपै॥
आई सूर होइ तपु रे नाहाँ। तेहि बिनु जाड़ न छूटै माहाँ॥
एहि मास उपजै रस मूलू। तू सो भँवर मोर जोबन फूलू॥
नैन चुवहिं जस माँहुट नीरू । तेहि जल अंग लाग सर चीरू।।
टूटहि बुंद परहिं जस ओला। बिरह पवन होइ मारैं झोला॥
केहिक सिंगार को पहिर पटोरा। गियँ नहिं हार रही होइ डोरा।।

तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई तन तिनुवर भा डोल।
तेहि पर बिरह जराइ कै चहै उड़ावा झोल॥

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ।
ताही के चारु चरित्र बिचित्रनि यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ।
सो घनआनँद जान अजान लौं टूक कियौ पर बांचि न देख्यौ।

20. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 1+4=5

लड़की अब बिलकुल बराबर में खड़ी, आँख मूंदकर अर्चन कर रही थी। संभव ने यकायक मुड़कर उसकी ओर गौर किया। उसके कपड़े एकदम भीगे हुए थे, यहाँ तक कि उसके गुलाबी आँचल से संभव के कुर्ते का एक कोना भी गीला हो रहा था। लड़की के लंबे गीले बाल पीठ पर काले चमकीले शॉल की तरह लग रहे थे। दीपकों के नीम उजाले में, आकाश और जल की साँवली संधि-बेला में, लड़की बेहद सौम्य, लगभग काँस्य प्रतिमा लग रही थी।

अथवा

कवि की यह सृष्टि निराधार नहीं होती। हम उसमें अपनी ज्यों की त्यों आकृति भले ही न देखें पर ऐसी आकृति जरूर देखते हैं जैसी हमें प्रिय है, जैसी आकृति हम बनाना चाहते हैं। जिन रेखाओं और रंगों से कवि चित्र बनाता है वे उसके चारों ओर यथार्थ जीवन में बिखरे होते हैं और चमकीले रंग और सुघर रूप ही नहीं, चित्र के पार्श्व भाग में काली छायाएँ भी वह यथार्थ जीवन से ही लेता है। राम के साथ रावण का चित्र न खींचें तो गुणवान, वीर्यवान, कृतज्ञ, सत्यवाक्य, दृढ़व्रत, चरित्रवान, दयावान, विद्वान, समर्थ और प्रियदर्शन नायक का चरित्र फीका हो जाए और वास्तव में उसके गुणों के प्रकाशित होने का अवसर ही न आए। **1+4=5**

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए। 6

(अ) मेरा प्रिय कवि
(ब) कामकाजी महिला और राष्ट्र निर्माण
(स) योग और छात्र जीवन
(द) राजस्थान : भाषा और साहित्य

●●